पाठ - 1 पुस्तक गतिविधियां

(ग) कविता की वे पंक्तियाँ लिखो जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैं-

(अ) धैर्य न छोड़ो।

पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो।
कितना ही हो सिर पर भार

(ब) सारे संसार को ढक लो।

नभ कहता है फैलो इतना
ढक लो तुम सारा संसार

2. सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थान भरो-

(क) पर्वत ऊपर उठने की प्रेरणा देता है।

(अ) ऊपर ✓ (ब) नीचे

(ख) सागर बड़ा ही गंभीर होता है।

(अ) उदार (ब) गंभीर ✓

(ग) हमें धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।

(अ) छोड़ना ✓ (ब) पकड़ना

भाषा कौशल

1. 'र' का सही रूप लगाकर शब्द बनाओ-

र् - पर्वत, पर्व, पूर्वक

र - प्रकृति, प्रकाश, प्रभात

Scanned with CamScanner

पाठ - 1 पुस्तक गतिविधियां

2. चित्र देखकर एक दूसरा नाम भी लिखो-

पर्वत - पहाड़

पेड़ - तरु

सूरज - रवि

फूल - सुमन

एक जैसे अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची कहते हैं।

3. दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो-

(क) पर्वत ऊँचा उठना सिखाता है।

(ख) सागर लहराता है।

(ग) बादल बरसता है।

(घ) पृथ्वी धैर्य नहीं छोड़ती है।

लहराता
सिखाता
छोड़ती
बरसता

Scanned with CamScanner

पाठ - 2 का पुस्तक गतावाधय

2. जोड़े मिलाओ-

(क) हमें जीवों पर करनी चाहिए। — घबराना

(ख) मनुष्य को नहीं होना चाहिए। — दया

(ग) हमें संकट में नहीं चाहिए। — स्वार्थी

3. दिए गए शब्दों से सही उत्तर छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) मालवीय जी ——दया—— की मूर्ति थे।

(ख) कुत्ते के घाव से ——दुर्गंध—— आती थी।

(ग) मालवीय जी की ——दृष्टि—— कुत्ते पर पड़ी।

(घ) उसके ——कान—— के पास घाव हो गया था।

(ङ) ——औषधि—— लग जाने पर कुत्ते की पीड़ा कम हुई।

दुर्गंध दया

औषधि

दृष्टि कान

Scanned with CamScanner

पाठ - 2 की पुस्तक गतिविधियां

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

दया - मालवीय जी दया की मूर्ति थे।

पीड़ा - दवा लग जाने पर कुत्ते की पीड़ा कम हुई

धन्य - वे लोग धन्य हैं जो दूसरों की सहायता करते हैं।

मूर्ति - पंडित मदन मोहन मालवीय दया की मूर्ति थे।

भाषा कौशल

दिए गए चित्रों को देखो और उनके नीचे लिखे वाक्य को पढ़ो-

कुत्ता बैठा है।

कुत्ते बैठे हैं।

आपने देखा यहाँ 'कुत्ता' शब्द एक के लिए और 'कुत्ते' शब्द एक से अधिक के लिए प्रयोग किया गया है।

संज्ञा शब्दों के जिस रूप से उनके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।

1. दिए गए शब्द के सही बहुवचन रूप पर (✓) का निशान लगाओ-

मक्खी - मक्खियें	☐		मक्खियाँ	☑
कपड़ा - कपड़ाएँ	☐		कपड़े	☑
डंडी - डंडियों	☑		डंडीस	☐
दाँत - दाँतों	☑		दाँतें	☐
वैद्य - वैद्यें	☐		वैद्यों	☑

Scanned with CamScanner

पाठ - 2 की पुस्तक गतिविधि

2. शब्द रचना करो-

(क) 'ता' लगाकर -

दयालुता
सरलता
निकटता
सज्जनता
महानता

(ख) 'आलय' लगाकर -

औषधालय
विद्यालय
पुस्तकालय
चिकित्सालय
भोजनालय

रचनात्मक कौशल

1. दया प्रत्येक प्राणी के लिए आवश्यक है, चाहे वह मनुष्य हो या पशु-पक्षी। क्या आप इस बात से सहमत हैं? कक्षा में चर्चा करो।

2. चित्र देखकर कहानी पूरी करो-

एक बार राजकुमार सिद्धार्थ को घायल हंस मिला। सिद्धार्थ ने उसके घाव धोए और उस पर दवा लगाई। तभी उसका चचेरा भाई देवदत्त वहाँ आया। उसने हंस माँगा। दोनों महाराज शुद्धोदन के पास गए। महाराज शुद्धोदन ने दोनों की बात ध्यान से सुनीं। फिर बोले- "मारने से ज़्यादा अधिकार बचाने वाले का होता है।"

Scanned with CamScanner

2. किसने-किससे कहा-

(क) "नन्ही गिलहरी! तुम यह क्या कर रही हो?" बुद्ध ने गिलहरी से

(ख) "मैं इसे खाली कर दूँगी।" गिलहरी ने बुद्ध से

(ग) "परंतु तुम्हारे इस कार्य से क्या यह संभव है?" बुद्ध ने गिलहरी से

(घ) "मैं अपने उद्देश्य की ओर बढ़ती रहूँगी।" गिलहरी ने बुद्ध से

3. सही उत्तर चुनकर रिक्त स्थान भरो-

(क) बुद्ध तपस्या करने के उद्देश्य से घर से निकले।

(अ) मनोरंजन (ब) तपस्या (स) स्नान

(ख) रास्ते में उन्होंने गिलहरी देखी।

(अ) गिलहरी (ब) हंस (स) कबूतर

MCQ (बहुविकल्पीय प्रश्न)

Scanned with CamScanner

पाठ - 3 की पुस्तक गतिविधियां

4. सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का निशान लगाओ-

(क) सिद्धार्थ को बुद्ध कहा जाता है। ☑

(ख) बुद्ध की माता का नाम जया था। ☒

(ग) इनके पिता शुद्धोदन थे। ☑

भाषा कौशल

1. नीचे बने चित्र को ध्यान से देखो-

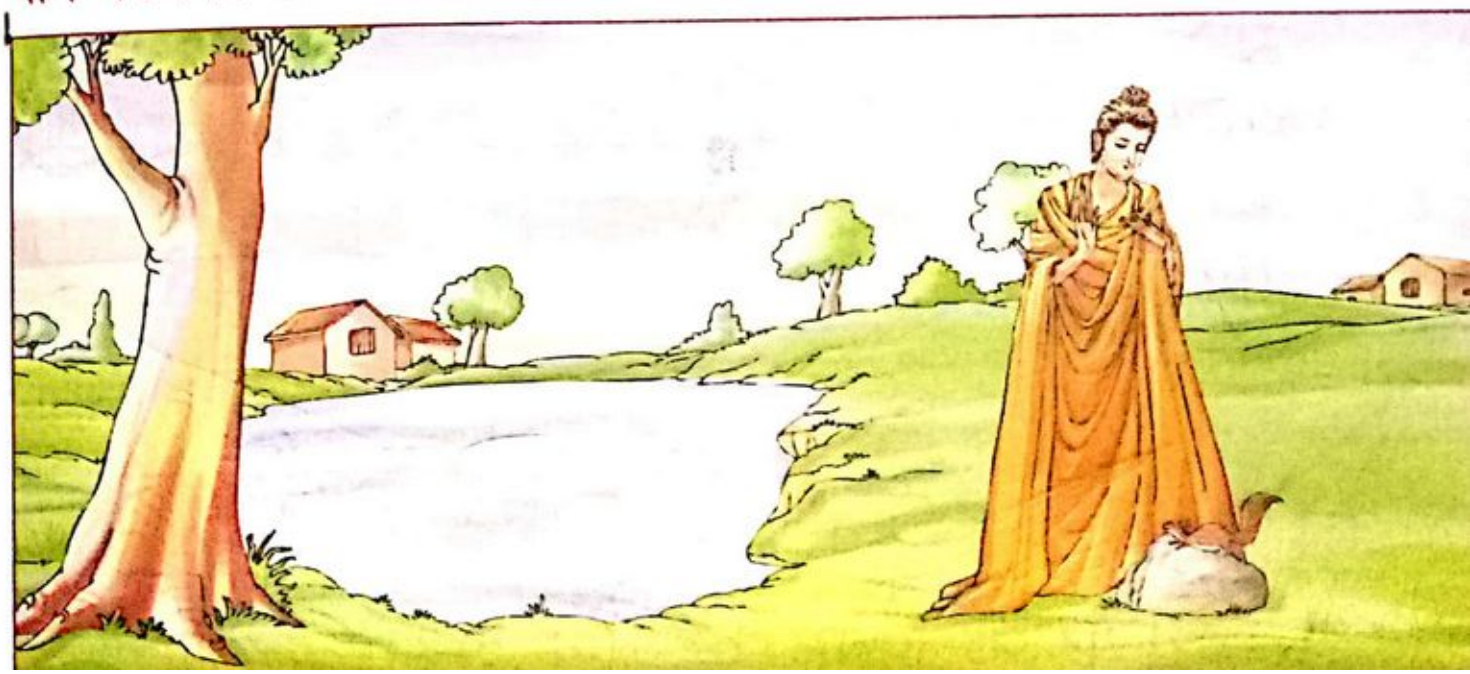

Scanned with CamScanner

पाठ - 3 की पुस्तक गतिविधियां

2. इस वर्ग पहेली से पशु-पक्षियों के नाम ढूँढ़कर लिखो-

गिलहरी
हिरन
घोड़ा
बकरी
शेर
हाथी
मोर
तोता
गाय
जिराफ़

द	हि	र	न	प	म	म
ल	व	द	फ	गि	ऋ	क
स	घो	गा	य	ल	श	स
र	ड़ा	द	च	ह	ज	शे
प	फ	ब	क	री	भ	म
जि	रा	फ़	द	न	हा	थी
क	ग	तो	ता	घ	मो	र

रचनात्मक कौशल

1. दिए गए शब्दों की सहायता से महात्मा बुद्ध का परिचय पाँच वाक्यों में लिखो-

सिद्धार्थ के पिता का नाम शुद्धोदन था।
माया बुद्ध की माता का नाम था।
बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
महात्मा बुद्ध स्वभाव से ही दयालु थे।
तपस्या के बाद ज्ञान प्राप्त होने पर सिद्धार्थ का नाम महात्मा बुद्ध हुआ।

सिद्धार्थ शुद्धोदन
महात्मा बुद्ध
माया दयालु

2. आपने 'हंस किसका?' कहानी पढ़ी होगी। इस कहानी को अपने सहपाठियों को क

Scanned with CamScanner